

की पेशा ही आदि
महेश्वर / मणिकान्त 42/20
पञ्चमाला
पञ्चमाला पेशा ही अतीवारी व

12.2.25

अहम शिवाजी वरुण की किरा-2 नवित्त मालाई
गोदी पेशा के बावजूद खे-लन के सामान्य
के गैर हाजिर रहे ही कजः कपीजोरे
की अतीव. अहम पेशा व किरा एतदी
के वारिज की जाती है L.C. की
रिजिस्ट्रार लोकाया जाके पञ्चमाला के नाम
शुभार ही) वेकट के वरुण होकर
गोदीका किरा ही)

अपर कलक्टर, नागौर